

नशे के लिये सर्प-वषि का प्रयोग

स्रोत: डाउन टू अर्थ

चर्चा में क्यों?

हाल ही में [वन्यजीव \(संरक्षण\) अधिनियम, 1972](#) तथा [भारतीय दंड संहिता \(भारतीय न्याय संहिता, 2023\)](#) के तहत एक रेव पार्टी में कथित तौर पर सर्प-वषि उपलब्ध कराने के आरोप में पुलिस ने कुछ लोगों को गिरफ्तार किया है।

सर्प-वषि एवं उसके उपयोग के बारे में मुख्य तथ्य क्या हैं?

परिचय:

- वैश्विक स्तर पर लगभग 3400 सर्प प्रजातियों में से, भारत में सर्प की लगभग 300 प्रजातियाँ हैं जो पूरे देश में विभिन्न स्थानों में पाई जाती हैं।
- सर्पों के प्रकार:** यह प्रजाति 4 परिवारों के अंतर्गत आती है- कोलुब्रिडि, एलापिडि, हाइड्रोफिडि एवं वाइपरिडि।
- वषिले सर्प:** भारत में पाई जाने वाली 300 से अधिक प्रजातियों में से 60 अधिक वषिली, 40 कम वषिली और लगभग 180 वषिली नहीं है।
 - सर्प-वषि (अत्यधिक वषिला लार)** वषिले सर्पों द्वारा सर्प के माध्यम से किया जाता है, जो वषिष ग्रंथियों में संश्लेषित और संग्रहित होता है।
- वषि की वषिषता:** सर्प-वषि वषिषित रासायनिक एवं जैविक गतिविधियों के साथ कम आणविक द्रव्यमान वाले एंजाइमों, पेप्टाइड्स एवं प्रोटीन का एक जटिल मिश्रण है।
 - सर्प-वषि में कई न्यूरोटॉक्सिक, कार्डियोटॉक्सिक और साइटोटॉक्सिक, तंत्रिका वृद्धि कारक, लेक्टनि, डिसिइंट्रिगनि, हेमोरेजनि तथा कई अन्य विभिन्न एंजाइम होते हैं।

सर्प-वषि का प्रयोग:

- कुछ वषिष सर्प प्रजातियों, जैसे- कोबरा, करैत और ब्लैक माम्बा का उपयोग औषधीय तथा बेहोशी के प्रयोजनों के लिये किया जाता है।
- औषधीय उपयोग:**
 - आयुर्वेद, होम्योपैथी और लोक चिकित्सा** में विभिन्न पैथोजियोलॉजिकल स्थितियों के लिये सर्पवषि के उपयोग का उल्लेख किया गया है।
 - इसका उपयोग **थ्रोम्बोसिस, गठिया, कैंसर** और कई अन्य बीमारियों के इलाज के लिये भी किया जाता है।
 - सबसे प्रसिद्ध उदाहरणों में से एक **एंटीवेनम उत्पादन** में सर्पवषि का उपयोग है।
- मादक उपयोग:**
 - कम वैज्ञानिक अनुसंधान के बावजूद, **सर्प-वषि** को प्रायः **मादक औषधि/पदार्थ** के रूप में उपयोग किया जाता है। इसकी तस्करी करोड़ों डॉलर का अवैध उद्योग है।
 - कोबरा के वषि में पाए जाने वाले **न्यूरोटॉक्सिन** के विभिन्न रूप, वषिष रूप से, निकोटिनिक एसिटिलकोलाइन रसिप्टर्स (**nAChRs**) पर बंध बनाते हैं जो मानव मस्तिष्क क्षेत्र में व्यापक रूप से वितरित होकर उत्साहपूर्ण अनुभव प्रदान करते हैं।
 - लोग **"मांसपेशीय पक्षाघात और एनाल्जेसिया"** (चेतन रहते हुए भी दर्द महसूस करने की क्षमता का ह्रास) तथा उनीदापन का भी अनुभव करते हैं।

वनियमन:

- अधिकांश मनो-सक्रिय 'दुरुपयोगी पदार्थों' का उपयोग और व्यापार [नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस अधिनियम](#) के तहत आता है, लेकिन सर्प-वषि के तहत नहीं।
 - NDPS अधिनियम, 1985 किसी व्यक्ति को किसी भी नशीली दवा या मनो-दैहिक पदार्थों के उत्पादन, रखने, बेचने, खरीदने, परिवहन, भंडारण और/या उपभोग करने पर प्रतिबंध लगाता है।
- सर्प और उनके वषि से जुड़े मामले वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के दायरे में आते हैं।
- [IPC की धारा 120A \(आपराधिक षडयंत्र\)](#) में मनोरंजन (Recreational) के लिये सर्प-वषि से संबंधित अपराध भी शामिल हैं।

KNOW YOUR SNAKES

COMMON SAND BOA VS RUSSELL'S VIPER

Common Sand Boa (*Eryx conicus*)

- Non-venomous
- 1 to 2 ft long
- Relatively small head; neck indistinct
- Conical tail
- Asymmetrical pattern



Russell's Viper (*Daboia russelii*)

- Venomous
- 4 to 6 ft long
- Larger, triangular head; distinct neck
- Blunt tail
- Well defined round/oval with pointy ends



INDIAN WOLF SNAKE VS COMMON KRAIT

Indian Wolf Snake (*Lycodon aulicus*)

- Non-venomous
- 1 to 2 ft long
- Round body, without ridge
- Wide bands; broad band on neck
- Scales similar throughout



Common Krait (*Bungarus caeruleus*)

- Venomous
- 3 to 4 ft long
- Triangular body; ridge along spine
- Narrow bands; more prominent posteriorly
- Hexagonal vertebral scales



INDIAN RAT SNAKE VS INDIAN COBRA

Indian Rat Snake (*Ptyas mucosa*)

- Non-venomous
- 6 to 8 ft long
- Doesn't form a hood
- Lower lips with black bands
- Diurnal



Indian Cobra (*Naja naja*)

- Venomous
- 3 to 5 ft long
- Raises hood when threatened
- No black bands on lips
- Crepuscular and diurnal



नोट:

- नशीले पदार्थ केंद्रीय तंत्रिका तंत्र पर कार्य करते हैं और व्यक्तिकी मनोदशा, धारणा तथा चेतना को बदल देते हैं।
 - साइकोएक्टवि पदार्थ की प्रकृतिके आधार पर, वे या तो मामूली प्रकार के मनोवैज्ञानिक प्रभाव उत्पन्न करते हैं, जैसे- उत्साह, चिंता, पृथक्करण, भावनात्मक कुंदता आदिया अधिक असामान्य प्रभाव, जैसे- मतभ्रम, सनिस्थेसिया, परिवर्तित स्थान-समय सातत्य और रहस्यमय अनुभव।
- सबसे अधिक उपयोग किये जाने वाले हेल्सिनोजेन में मशरूम, कैनबिस, मेस्केलिन, लसैरजिक एसडि डायथाइलैमाइड (LSD), डाइमथाइलट्रिप्टामाइन (DMT) और मेथलीनडाइऑक्सीमेथामफेटामाइन (MDMA) शामिल हैं।

- आमतौर पर उपयोग किये जाने वाले जीव-जंतु में से कुछ हैं- क्लाउनफिश और रैबटिफिश जैसी हेल्थीनोजेनिक मछलियाँ, टोड जैसे उभयचर, लाल हार्वेस्टर चींटियाँ जैसी चींटियाँ, इंडियन वॉल लज़िर्ड जैसे सरीसृप और जरिफ के यकृत तथा अस्था भिज्जा ।

और पढ़ें: [सर्पदंश वधि](#)

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????:

प्रश्न. नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि: (2019)

1. समुद्री कचछपों की कुछ जातयिँ शाकभकषी होती हैं ।
2. मछली की कुछ जातयिँ शाकभकषी होती हैं ।
3. समुद्री सतनपाइयों की कुछ जातयिँ शाकभकषी होती हैं ।
4. सर्पों की कुछ जातयिँ सजीव प्रजक होती हैं ।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

- (a) केवल 1 और 3
- (b) केवल 2, 3, और 4
- (c) केवल 2 और 4
- (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (d)

प्रश्न. कगि कोबरा एकमात्र ऐसा सर्प है जो अपना घोंसला स्वयं बनाता है । यह अपना घोंसला क्यों बनाता है? (2010)

- (a) यह सर्प खाता है और घोंसला अन्य सर्पों को आकर्षति करने में मदद करता है ।
- (b) यह एक जरायुज सर्प है और इसे अपनी संतति को जन्म देने के लयि घोंसले की आवश्यकता होती है ।
- (c) यह एक अंडज सर्प है जो घोंसले में अपने अंडे देता है और अंडे परस्फुटति होने तक घोंसले की रक्षा करता है ।
- (d) यह एक बड़ा, शीत-रकतीय जीव है और शीत ऋतु में शीतनदिरा में रहने के लयि इसे घोंसले की आवश्यकता होती है ।

उत्तर: (c)

प्रश्न. नमिनलखिति में से कसि सर्प का आहार मुख्यतः अन्य सर्प होते हैं? (2008)

- (a) करैत
- (b) रसेल वाइपर
- (c) रैटलस्नेक
- (d) कगि कोबरा

उत्तर: (d)

??????:

प्रश्न. क्या एंटीबायोटकिों का अत-उपयोग और डॉकटरी नुसखे के बनिा मुक्त उपलब्धता, भारत में औषधि-प्रतशिधी रोगों के अंशदाता हो सकते हैं? अनुवीकषण और नयितरण की क्या क्रयिावधियिँ उपलब्ध हैं? इस संबंध में वभिनिन मुद्दों पर समालोचनात्मक चर्चा कीजयि । (2014)